शोधमंथन

हिन्दी शोध (पत्रिका)

शोध मंथन में समाज, साहित्य, कला, राजनीति, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, गृहविज्ञान, पुस्तकालय विज्ञान, पत्रकारिता शिक्षा, कानून, इतिहास, दर्शन, महिला शिक्षा, महिला जगत, पुरूष, बाल जगत आदि के जुड़े विषय पर उत्कृष्ट, मौलिक, तरूपरक, वैज्ञानिक पद्धति से युक्त व प्रासंगिक उच्चस्तरीय शोधपत्रों को प्रकाशित किया जाता है।

प्रधान सम्पादकः

प्रो0 (कैप्टन) अन्जुला राजवंशी,

आर0 जी0 पी0जी0 कॉलिज, मेरठ

Email Id: *shodhmanthaneditor@gmail.com, dr.anjularajvanshi@gmail.com*

सम्पादकीय समिति

डॉ0 वजिरा गुनासेन, *भाषा, सांस्कृतिक अध्ययन और प्रदर्शन कला विभाग, श्री जयवर्धनेपुरा विश्वविद्यालय, श्रीलंका* wajiragunasena@sjp.ac.lk

प्रौफेसर रामयज्ञ मौर्या, *हिन्दी विभाग, मेरठ कॉलिज, मेरठ* rymaurya3747@gmail.com

डॉ0 कामना कौशिक, *एसो0 प्रो0, हिन्दी विभाग, वैश्य कालिज, रोहतक, हरियाणा,* kamnacmk78@gmail.com

डॉ0 राखी त्यागी, *एसो0 प्रो0, पुस्तकालय एवं सूचना विभाग, के0एल0 पीजी कालिज, मेरठ* rakhidhruv@gmail.com

डॉ0 शैफाली अग्रवाल, *असि0 प्रो0, मनोविज्ञानविभाग, गोकुलदास हिन्दु गर्ल्स कॉलिज, मुरादाबाद,* akshat02agarwal@gmail.com

डॉ0सत्यवीर सिंह, *असि0 प्रो0, विभाग, चौ0 जी0 एस0 गर्ल्स डिग्री कालिज, सहारनपुर* satyveer171@gmail.com

डॉ0 अनामिका, *असि0 प्रो0, शिक्षा विभाग, एस0एन0सेन बी0वी0 पीजी कॉलिज, कानपुर,* angelanamika22@gmail.com

श्रीमति कीर्थि देवी रामजतन, *हिन्दी विभाग, महात्मा गॉधी इंस्टीटयूट, मोरिश्यस,* kdramjatton@yahoo.com

- शोध मंथन त्रि–मासिक जर्नल है।
- शोध मंथन में पूर्व प्रकाशित लेख व पत्र प्रकाशित नहीं किये जाते।
- शोध मंथन के प्रबन्ध सम्पादक पूर्व निर्धारित हैं। यथा समय अतिथि सम्पादक चयनित किये जाते हैं।
- प्रकाशित सामग्री का कॉपी राइट जर्नल अनु बुक्स, मेरठ का है।
- अपना शोध पत्र प्रकाशित करवाने के लिये ई–मेल के द्वारा अपने पूर्ण पते के साथ भेजे
- सम्पादकीय समिति का निर्णय अन्तिम होगा।
- कृप्या अपना लेख kietjournals@gmail.com पर भेजें।
- **Authors are responsible for the cases of plagiarism.**

Published by JOURNAL ANU BOOKS in support of

KAILBRI INTERNATIONAL EDUCATIONAL TRUST

Printed by D.K. Fine Art Press Pvt. Ltd., New Delhi.

हमारे यहॉ लेख प्रकाशित करने का कोई मूल्य नहीं लिया जाता हैं।

Subscription

In India	Rs. 1000.00 प्रति अंक	Rs. 4000.00 वार्षिक
Out of India	$ 10.00 प्रति अंक	$ 400.00 वार्षिक

ISSN: (P) : 0976-5255 (e) : 2454-339X
Impact Factor 8.889 (SJIF)

शोध मंथन

हिन्दी शोध पत्रिका

A Peer Reviewed & Refereed International Journal in Hindi

Vol. XVII No. II **April. - June. 2026**

https://doi.org/10.31995/shodhmanthan.2026.v17i02

अनुक्रमणिका

26. संस्कृत साहित्य में कालिदास की कृतियों में गंगा नदी का महत्व
प्रो0 प्राची शास्त्री, डॉ0 निमिष गुप्ता 185

27. रहीम के नीति काव्य में सामाजिक समरसता और लोकमंगलः एक समग्र विश्लेषण
डॉ0 पूनम पाण्डेय 195

28. शैक्षणिक सामाजिक समानता स्थापना हेतु समावेशी शिक्षा
डॉ0 (श्रीमती) अखिलेश 204

29. आतंकवाद एक वैश्विक चुनौती का समीक्षात्मक अध्ययन
डॉ0 अमित कुमार गुप्ता 212

30. लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक आवश्यकता, चुनौतियाँ और प्रभाव
डॉ0 शरद रॉय 220

31. बिहार में तथाकथित मध्यमवर्गीय स्वर्ण महिलाओं की दशा और दिशा
डॉ0 रमाकान्त पाण्डेय 228

32. कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और मशीन लर्निंग (ML) का समाजशास्त्रीय विश्लेषणः श्रम, असमानता, शक्ति संस्कृति और नैतिकता के परिप्रेक्ष्य में एक अध्ययन
डॉ0 नवनीत कुमार 236

33. हर्षवर्धन के काल में धर्म, शिक्षा एवं सांस्कृतिक विकास का अध्ययन
डॉ0 श्वेता शर्मा 240

34. पर्वतीय क्षेत्रों में सतत विकास और टिकाऊ आजीविका के अवसरों का भौगोलिक अध्ययन
अमृता सिंह 249

35. खेल के मैदानों से स्क्रीन तकः झारखंड के जनजातीय युवाओं में बदलते मनोरंजन के प्रतिरूप
डॉ0 अमित राहुल 254
36. भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों पर सोशल मीडिया का प्रभावः एक अध्ययन
रूपल शर्मा, प्रो0 सतीश कुमार 263
37. भारतीय किसान क्रेडिट कार्ड योजना के प्रभाव का संक्षिप्त मूल्यांकन
प्रो0 (डॉ) लोकेश कुमार, हरीश गिरी 270
38. ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के प्रति समाज का दृष्टिकोण एवं सामाजिक बहिष्करण एक समाजशास्त्रीय अध्ययन
लवप्रीत कौर, डॉ0 अंचल गुप्ता 278
39. पंडित दीनदयाल उपाध्याय का एकात्मक मानववाद और आधुनिक भारत में उसकी प्रासंगिकता
टिंकी चौधरी, प्रो0 प्रतीत कुमार 285
40. अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर ऑनलाईन शिक्षा का बढ़ता क्षेत्र एवं भारत में ऑनलाईन शिक्षा के विकास का समाजशास्त्रीय विश्लेषण
राम कृपाल, प्रो0 सुजाता मैनवाल 290
41. हरिद्वार जनपद में जैविक खेतीः संभावनाएं एवं चुनौतियाँ
शिवानी स्नेही, प्रो0 डी0सी0 गोस्वामी 299
42. चम्पावत जनपद के स्थानीय दुकानदारों पर ई–कॉमर्स का सामाजिक–आर्थिक प्रभावः एक विश्लेषणात्मक अध्ययन
डॉ0 सुशीला आर्या, पूजा आर्या 310
43. चुनावी समयावधि में मतदाताओं का व्यवहारः एक राजनीतिक विश्लेषण
शोभारानी मलाकी, डॉ0 अनिता सामल 321
44. भारत–म्यांमार संबंधः ऐतिहासिक और वर्तमान परिप्रेक्ष्य
मीनाक्षी जोहल, डा0 भावना शर्मा 329
45. मीडिया स्वामित्व और समाचार पत्रों की भूमिकाः समकालीन भारतीय संदर्भ में एक गुणात्मक अध्ययन
अलाउद्दीन, डॉ0 प्रदीप कुमार 336
46. दलित महिलाओं का लैंगिक समावेशन और बदलता राजनीतिक समायोजनः एक समाज वैज्ञानिक विश्लेषण
सूरज कुमार वर्मा, डॉ0 शरद धर शर्मा 343
47. स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के बी.एड. प्रशिक्षुओं की शिक्षण अभिक्षमता का अध्ययन
प्रो0 मंजु यादव, संजना यादव 351

48. विकासखण्ड सितारगंज की थारू महिलाओं की आर्थिक स्थिति पर कुटीर उद्योगों का प्रभावः एक भौगोलिक अध्ययन
भाग्य श्री, डॉ0 देवकीनन्दन जोशी 356
49. भारत में अपशिष्ट जल का प्रबंधन और जल प्रदूषण नियंत्रण कानूनः एक आलोचनात्मक अध्ययन
डॉ0 प्रीती रावत, दीपक 365
50. समकालीन हिंदी साहित्य में स्त्री विमर्श के प्रभाव
डॉ0 अमृता कुमारी 374
51. पूर्व मध्यकालीन उत्तर भारत में कृषि क्षेत्र में नारियों का योगदान
डॉ0 रक्षा सिंह 381
52. पूर्ववर्ती समकालीन महिला कलाकारों के संदर्भ में
डॉ0 मनोज कुमार 386
53. आर्थिक विकास और भारतीय खाद्य संस्कृति में परिवर्तनः पोषण संक्रमण के परिप्रेक्ष्य में अध्ययन
शिवानी 392
54. समावेशी विकास की भारतीय अवधारणाः दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद की प्रासंगिकता
डॉ0 सुदीप 400
55. भारत में वामपंथी उग्रवाद–वैचारिक द्वंद्व, रणनीतिक विस्तार और पूर्ण अवसान का विश्लेषण
श्री प्रभाकर 408
56. भारत में भुखमरी एवं खाद्य–सुरक्षा योजनाएंः एक विश्लेषण
राजेश कुमार प्रजापति, अनिल कुमार 414
57. 25–40 वर्ष आयु वर्ग की विवाहित कार्यरत अध्यापिकाओं में तनाव के मुख्य कारणों, भोजन संबंधी व्यवहार एवं कार्य–दबाव का अध्ययन
आकृति, डॉ0 श्वेता त्यागी, डॉ0 सोनिका चौधरी 422
58. पीसोओडी से ग्रस्त युवा महिलाओं (18–24 वर्ष) पर तनाव, आहार एवं मानसिक स्वास्थ्य का प्रभावः मेरठ नगर पर एक अध्ययन
ज्योति, डॉ0 श्वेता त्यागी, डॉ0 सोनिका चौधरी 427
59. ज्वार आधारित किफायती ग्लूटेन–फ्री नानखताई का मानकीकरण एवं उसका संवेदी मूल्यांकन
ऋतु, डॉ0 श्वेता त्यागी, डॉ0 सोनिका चौधरी 432

आदरणीय शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं एवं संपादकीय मंडल के सम्मानित सदस्यों के नाम

*अत्यंत हर्ष एवं गर्व का विषय है कि **शोधमंथन** अपने प्रकाशन के 16 वर्षों की सफल यात्रा पूर्ण करते हुए आज अपने **75वें अंक** (नियमित एवं विशेषांकों सहित) के प्रकाशन के गौरवशाली पड़ाव पर पहुँचा है। यह उपलब्धि केवल एक पत्रिका की सफलता नहीं, बल्कि उन सभी विद्वानों, शोधार्थियों, समीक्षकों, संपादकीय मंडल के सदस्यों तथा अकादमिक समुदाय के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है जिन्होंने निरंतर अपने ज्ञान, अनुभव और बौद्धिक सहयोग से इस यात्रा को समृद्ध बनाया।*

*हम उन सभी लेखकों एवं शोधकर्ताओं के प्रति हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करते हैं जिनके मौलिक शोध–लेखों ने पत्रिका की शैक्षणिक गुणवत्ता को नई ऊँचाइयाँ प्रदान कीं। साथ ही, संपादकीय मंडल एवं समीक्षकगणों का विशेष आभार, जिनकी निष्पक्ष समीक्षा, मार्गदर्शन और समर्पण ने **शोधमंथन** को एक विश्वसनीय एवं प्रतिष्ठित शोध मंच के रूप में स्थापित किया।*

*इस ऐतिहासिक अवसर पर हम आप सभी के अमूल्य सहयोग, विश्वास और निरंतर समर्थन के लिए हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करते हैं। हमें विश्वास है कि भविष्य में भी आपका स्नेह, मार्गदर्शन और सहभागिता इसी प्रकार प्राप्त होती रहेगी तथा **शोधमंथन** ज्ञान, शोध एवं अकादमिक उत्कृष्टता के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करता रहेगा।*

सादर धन्यवाद।

– प्रबंध संपादक

शोधमंथन (त्रैमासिक शोध पत्रिका)